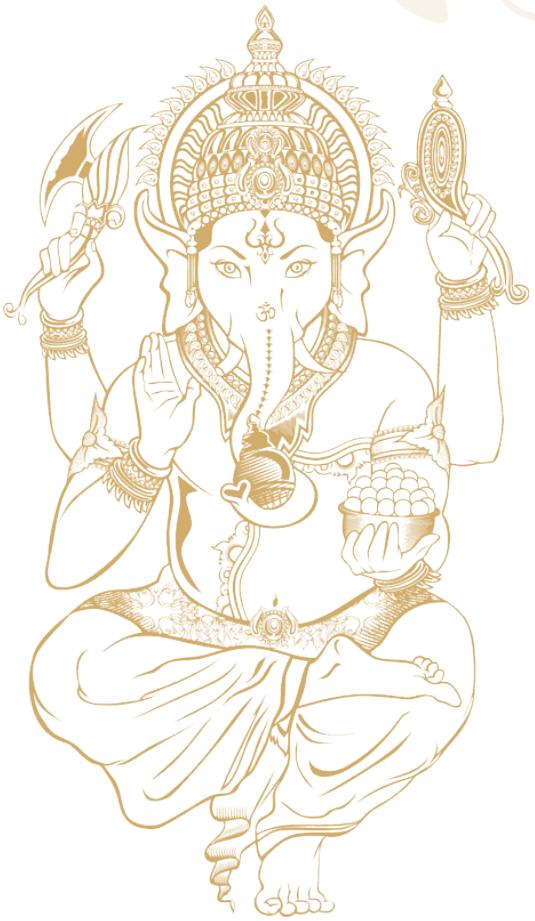

radheshyam

anamika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121786406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/04/1996	जन्म तिथि	1-02/04/1995
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 16:15:00	जन्म समय	04:35:00 घंटे
घटी 24:59:26	जन्म समय(घटी)	55:36:12 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Kot Putli
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:43:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	76:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:13	सूर्योदय	06:16:42
18:48:11	सूर्यास्त	18:42:16
23:48:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 13वर्ष 5मा 15दि		18:56:36	सिंह	लग्न	कुंभ	11:37:08	केतु 2वर्ष 1मा 9दि	
शनि		22:07:32	मीन	सूर्य	मीन	17:57:32	चन्द्र	
20/09/2025		10:01:51	तुला	चंद्र	मेष	09:18:58	12/05/2023	
20/09/2044		15:21:37	मीन	मंगल	कर्क	19:46:24	11/05/2033	
शनि	23/09/2028	00:46:49	मेष	बुध	मीन	05:33:54	चन्द्र	11/03/2024
बुध	03/06/2031	22:32:40	धनु	गुरु व	वृश्चि	21:35:23	मंगल	10/10/2024
केतु	12/07/2032	07:55:01	वृष	शुक्र	कुंभ	11:53:32	राहु	11/04/2026
शुक्र	11/09/2035	05:57:45	मीन	शनि	कुंभ	24:27:44	गुरु	11/08/2027
सूर्य	23/08/2036	23:19:49	कन्या	राहु व	तुला	11:49:19	शनि	11/03/2029
चन्द्र	25/03/2038	23:19:49	मीन	केतु व	मेष	11:49:19	बुध	11/08/2030
मंगल	03/05/2039	10:19:10	मक	हर्ष	मक	06:13:08	केतु	12/03/2031
राहु	09/03/2042	03:47:19	मक	नेप	मक	01:34:17	शुक्र	09/11/2032
गुरु	20/09/2044	09:03:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:34:48	सूर्य	11/05/2033

लग्न-चलित

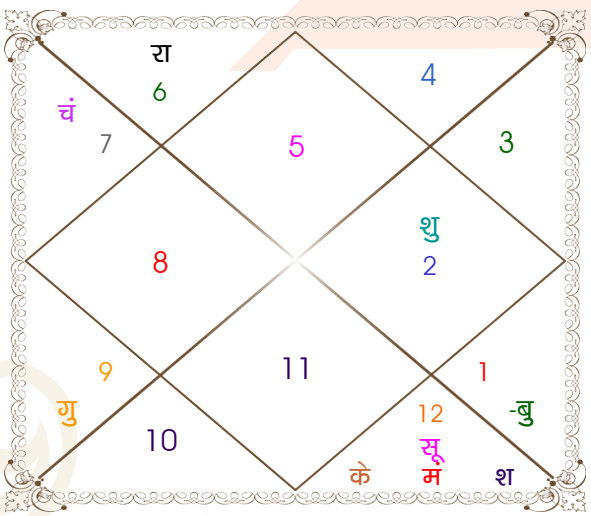

लग्न-चलित

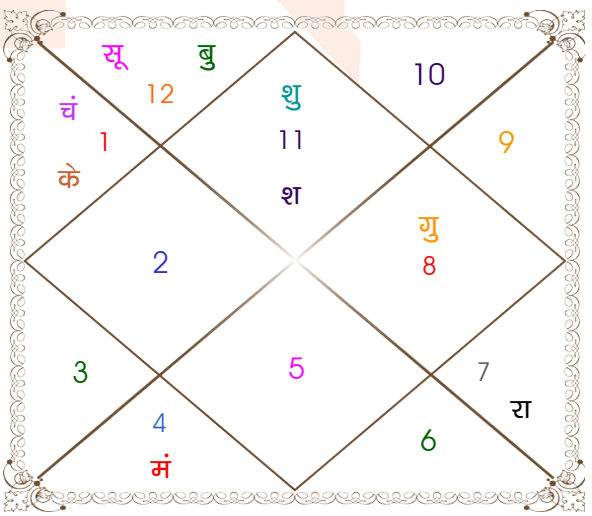

Manish Chand Sharma
Shri Hari Astro Office
Girdhari das mandir ke peeche Bansur
9785452121

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	अश्व	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

radheshyam का वर्ग मृग है तथा ंदंउपां का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार radheshyam और ंदंउपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

radheshyam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल radheshyam कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ंदंउपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ंदंउपां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

radheshyam तथा ंदंउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Manish Chand Sharma
Shri Hari Astro Office
Girdhari das mandir ke peeche Bansur
9785452121